University in News on 13 September 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : दीक्षांत समारोह के लिए बदल गए छह पदकों के दावेदार

संवाद न्यूज एजेंसी

जारी की गई अंतिम पदक सूची एक पदक व एक पुरस्कार जुड़ा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने बृहस्पतिवार को दीक्षांत समारोह के लिए अंतिम पदक सूची जारी कर दी। इसके पहले जारी प्रस्तावित पदक सूची के लिए 10 सितंबर तक आपत्तियां मांगी गई थी। अंतिम पदक सूची में छह पदकों के दावेदार बदल गए हैं।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि नई सूची में वाइस चांसलर गोल्ड मेडल इन उर्दू के दावेदार के नाम में बदलाव करते हुए इसे सबा खान के स्थान पर अब जैनब खान को देने का निर्णय लिया गया है।

सूची में एक पदक और एक पुरस्कार का नाम जोड़ा गया है। सिल्वर जुबली गोल्ड मेडल डॉ. गिन्नी बारी और रुचि राम साहनी रिसर्च प्राइज इन बॉटनी पुरस्कार शैलजा त्रिपाठी को दिया जाएगा। चांसलर ब्रांज मेडल में भी बदलाव किया गया है।

पांच वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रम में पढ़ाई में सर्वश्रेष्ठ छात्रा के लिए अब आरुषि शुक्ला की जगह प्रतिभा खत्री को सम्मानित किया जाएगा। स्व. राय साहब एमपी श्रीवास्तव गोल्ड मेडल अब शिखा मनकोटिया की जगह दीपक गुप्ता को मिलेगा। कामायनी मेमोरियल गोल्ड मेडल शशांक शेखर पांडेय की जगह खुशनुमा नाज को दिया जाएगा।

श्रीमती काजल मुखर्जी मेमोरियल गोल्ड मेडल और माहेश्वरी देवी काली कृष्णा चटर्जी गोल्ड मेडल अब श्रुति गुप्ता की जगह श्रेया सिंह को दिया जाएगा।

दीक्षांत सप्ताह : प्रतियोगिताओं में दिखाई प्रतिभा

योग संकाय में नृत्य प्रस्तुत करतीं छात्राएं। संवाद

लखनऊ। लखनऊ विवि में 67वें दीक्षांत सप्ताह के तहत बृहस्पतिवार को रसायन विज्ञान विभाग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वर्तमान रुझान व भविष्य की दिशाएं विषय पर भाषण व नवाचारों पर कार्यक्रम हुए। फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन विभाग में योग तरंग के आयोजन में पहले दिन शिव स्तुति हुई। विधि संकाय के प्रो. बोनो क्लब ने भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। हिंदी व आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में कहानी पाठ प्रतियोगिता का संयोजन प्रोफेसर रीता चौधरी ने किया। भूगर्भशास्त्र विभाग में व्याख्यान व भूवैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। अन्य विभागों में भी आयोजन हुए। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 8

दीक्षांत समारोह में अब 198 पदकों और पुरस्कारों का वितरण किया जाएगा, 16 को होगा आयोजन

एलयू: सात पदकधारकों के नाम बदले

67 वें दीक्षांत के लिए पदकों की अंतिम सूची जारी

- छात्रा श्रुति की जगह अब श्रेया को तीन पदक

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय ने 67वें दीक्षांत समारोह के मद्देनजर अंतिम सूची जारी कर दी गई है। अंतिम सूची में एक पदक और पुरस्कार को जोड़ा गया है। जिससे 16 को आयोजित होने वाले समारोह में अब कुल 198 पदकों व पुरस्कार का वितरण किया जाएगा। इसी तरह सात पदकों के लिए नामों में बदलाव भी किया गया है।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी का कहना है कि विभागों से एक पदक और एक पुरस्कार के नाम देर से भेजे गए थे। जिसे फाइनल सूची में जोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि कुल छह आपत्तियां स्पेलिंग मिस्टेक को लेकर आई थीं। जिसमें सुधार किया गया। कई पदकों को लेकर आई आपत्तियों की समीक्षा कर उन्हें समिति की सिफारिश पर बदल दिया गया है।

परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि एक पदक और एक पुरस्कार का नाम जोड़ा गया है। इसमें सिल्वर जुबली गोल्ड मेडल डॉ. गिन्नी बारी और शैलजा त्रिपाठी को रुचि राम साहनी रिसर्च प्राइज इन बॉटनी का नाम शामिल है। एक चांसलर ब्रोंज मेडल में बदलाव हुआ। पांच वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ छात्रा के लिए अब आरुषि शुक्ला की जगह प्रतिभा खत्री को सम्मानित किया जाएगा। वाइस चांसलर गोल्ड मेडल इन उर्दू छात्रा सबा खान के स्थान पर जैनब खान को दिया जाएगा। स्व. राय साहब एमपी श्रीवास्तव गोल्ड मेडल शिखा मन कोटिया की जगह दीपक गुप्ता को मिलेगा। कामायनी मेमोरियल गोल्ड शशांक शेखर के स्थान पर खुशनुमा को दिया जाएगा। काजल मुखर्जी मेमोरियल गोल्ड, शारदा प्रसाद बनर्जी मेमोरियल गोल्ड और श्रीमती माहेश्वरी देवी काली कृष्णा चटर्जी गोल्ड श्रुति गुप्ता की जगह श्रेया सिंह को मिलेगा।

संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग में संस्कृत रसप्रश्न प्रतियोगिता और व्याख्यान हुआ।

उद्गम का शुभारंभ हुआ

लोक प्रशासन विभाग की ओर से तीन दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम उद्गम का शुभारंभ हुआ। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर नंदलाल भारती ने बताया कि पहले दिन भाषण, गीत प्रतियोगिताएं हुईं। गीत प्रतियोगिता का समन्वयन कौशांबी और यशस्वी ने किया।

मौन को दे सकते आवाज

सेंसिटाइजेशन सेल ने यूथ की आवाज: जेंडर बाधाओं को तोड़ना और उनकी आवाज को बढ़ाना शीर्षक से एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया। समाजशास्त्र विभाग के हेड प्रोफेसर डीआर साहू ने कहा कि हम मौन को आवाज दे सकते हैं।

संस्कृत अस्तित्व की भाषा

एलयू के संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग में संस्कृत रसप्रश्न प्रतियोगिता और व्याख्यान हुआ। पद्मश्री प्रोफेसर नवजीवन रास्तोगी ने कहा कि संस्कृत अस्तित्व और अस्मिता की भाषा है।

यूट्यूब पर घर बैठे देखें समारोह का प्रसारण

लखनऊ विश्वविद्यालय में 16 सितंबर को होने वाले 67वें दीक्षांत समारोह को घर बैठे भी देखा जा सकेगा। विश्वविद्यालय आयोजन समिति ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग विश्वविद्यालय के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर की जाएगी। यह व्यवस्था बीते कई वर्षों से की जा रही है। इससे संबद्ध कॉलेजों के शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं समेत अभिभावक घरों में रहकर भी दीक्षांत समारोह को देख सकेंगे। इसके अलावा दीक्षांत सप्ताह के तीसरे दिन अलग-अलग विभागों में कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं हुईं। हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में कहानी पाठ प्रतियोगिता हुई। रसायन विज्ञान विभाग में भाषण कार्यक्रम हुआ। फैकल्टी ऑफ योग एंड ऑल्टरनेटिव मेडिसिन, ट्रेनिंग व प्लेसमेंट सेल, भूगर्भशास्त्र विभाग समेत अन्य विभागों की ओर से आयोजन हुए।

JAGRAN CITY PAGE III

फाइनल सूची में सात पदक बदले, अब 198 पदक मिलेंगे

16 सितंबर को लवि के 67वें दीक्षा समारोह में दिए जाएंगे पदक

लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में दीक्षा सप्ताह के तहत आयोजित कार्यक्रम में राजस्थानी लोकनृत्य करतीं छात्राएं • जागरण

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने आपत्तियों के निस्तारण के बाद सात पदक में बदलाव किया है। साथ ही एक पदक व एक बुक प्राइज और जोड़ा है। समारोह में 198 पदक दिए जाएंगे। इनमें 177 स्वर्ण, दो रजत, 11 कांस्य पदक व आठ बुक प्राइज शामिल हैं। एमएससी गणित की छात्रा शैलजा चौरसिया को सबसे ज्यादा 13 पदक दिए जाएंगे। इनमें 10 स्वर्ण, दो चांसलर रजत और एक कांस्य पदक शामिल हैं।

पहले एमएससी बाटनी फाइनल इयर में सर्वाधिक अंक पाने के लिए कामायनी मेमोरियल स्वर्ण पदक (फीमेल) दिए जाने के लिए त्रुटिवश छात्र शशांक शेखर का चयन किया गया था, लेकिन अब यह पदक छात्रा खुशनुमा नाज को मिलेगा। पीजी डिप्लोमा इन सोशल इक्विटीज एंड ह्यूमन राइट्स में प्रथम श्रेणी के लिए स्व. राय साहब एमपी श्रीवास्तव स्वर्ण पदक छात्रा शिखा मन कोटिया की जगह दीपक गुप्ता को दिया जाएगा।

वहीं, बी.ए-3 में मध्यकालीन-आधुनिक भारतीय इतिहास में मेजर एक विषय में सर्वाधिक अंक पाने, सर्वश्रेष्ठ महिला छात्रा के रूप में श्रुति गुप्ता की जगह इस पदक के लिए छात्रा श्रेया सिंह को चुना गया है। कुलपति स्वर्ण पदक इन उर्दू अब सबा खान को जगह जैनब खान को मिलेगा।

पांच वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रम में पढ़ाई में सर्वश्रेष्ठ छात्रा के लिए अब आरुषि शुक्ला की जगह प्रतिभा खत्री को पदक दिया जाएगा। नए पदक के रूप में सिल्वर जुबली स्वर्ण पदक डा गिन्नी बारी और रुचि साहनी रिसर्च प्राइज इन बाटनी के लिए शैलजा त्रिपाठी को चुना गया है।

कम समय में अधिक परिणाम

ट्रेनिंग और प्लेसमेंट सेल द्वारा 'आर्ट आफ स्मार्ट वर्क' पर संगोष्ठी हुई। मुख्य वक्ता अमिताबा चक्रवर्ती ने स्मार्ट वर्क की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि करियर में सफल होने के लिए रणनीतिक सोच आवश्यक है। उधर, रसायन विज्ञान विभाग में 'रसायन विज्ञान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता : वर्तमान रुझान और भविष्य की दिशाएं' विषय पर संगोष्ठी हुई।

दीक्षा में ज्ञान, खेल और सृजन का उत्सव

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में म्यूजिकल चेयर, लूडो, और 100 मीटर दौड़ जैसे खेलों का आयोजन हुआ। इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट साइंसेज (आइएमएस) में टेबल टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में बीबीए के छात्र आर्यन राजपाल चैंपियन रहे। छात्राओं में बीबीए तृतीय सेमेस्टर की कशिश यादव चैंपियन रहीं। फैकल्टी आफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन की ओर से योग सभागार में योग तरंग हुआ।

हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में कहानी-पाठ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें छात्रों ने समसामयिक मुद्दों पर आधारित स्वरचित कहानियों का प्रस्तुतीकरण किया। संस्कृत और प्राकृत भाषा विभाग में संस्कृत रस प्रश्न (क्विज) प्रतियोगिता और विशेष व्याख्यान में प्रमुख वक्ता पद्मश्री प्रो. नवजीवन रस्तोगी ने संस्कृत भाषा की दशा और दिशा पर प्रकाश डाला। उधर, जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल (जेनसेन) ने कार्यक्रम के दौरान 'यूथ की आवाज: जेंडर बाधाओं को तोड़ना और उनकी आवाज को बढ़ाना' विषय पर युवाओं ने समाज में जेंडर की रूढ़ियों के खिलाफ अपनी आवाज उठाते हुए बदलाव की दिशा में कदम बढ़ाने का आह्वान किया। वाद्य यंत्र प्रस्तुति, कविता पाठ और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से छात्रों ने जेंडर संवेदनशीलता की आवश्यकता पर जोर दिया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में दीक्षा सप्ताह के तहत आयोजित कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते विदेशी छात्र • जागरण

i-NEXT PAGE 4

'भूकंप के प्रभावों को कम कर सकते हैं'

भूगर्भशास्त्र विभाग द्वारा व्याख्यान और भूवैज्ञानिक प्रदर्शनी का किया गया आयोजन

LUCKNOW (12 Sept): लखनऊ विश्वविद्यालय के भूगर्भशास्त्र विभाग द्वारा पूर्व दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में व्याख्यान और भूवैज्ञानिक प्रदर्शनी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रति-कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, भूगर्भशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. ध्रुव सेन सिंह और मुख्य वका बीरबल साहनी पुराप्राणिविज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. महेश ठक्कर की उपस्थिति रही. मंच संचालन डॉ. रामानंद यादव ने किया.

भूविज्ञान की भूमिका पर चर्चा

अपने स्वागत भाषण में प्रो. ध्रुव सेन सिंह ने प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करने में भूविज्ञान की भूमिका पर चर्चा की और कहा कि हम भूकंप को रोक नहीं सकते परंतु इसके प्रभावों को कम कर सकते हैं. प्रो. मनुका खन्ना ने विभाग के प्रयासों और इस व्याख्यान के शैक्षिक महत्व की सराहना की. मुख्य वका प्रो. महेश ठक्कर ने क्या भूकंप प्राकृतिक आपदा है या सृजन की घटना विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया. कार्यक्रम का समापन डॉ. विनीत कुमार के धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया. प्रदर्शनी में 14 प्रतिभागियों ने अपने भूगर्भीय मॉडल प्रदर्शित किए, इनमें से दो प्रमुख मॉडल थे.

LOKSATYA PAGE 2

'आर्ट ऑफ स्मार्ट वर्क' विषय पर संगोष्ठी आयोजित

लखि

- छात्रों ने स्मार्ट वर्क पर सीखे गुर

लखनऊ, लोकसंवाद। लखनऊ विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल, अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के तत्वाधान में पूर्व दीक्षांत समारोह कार्यक्रम के अंतर्गत 'आर्ट ऑफ स्मार्ट वर्क' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी स्मार्ट वर्क, दक्षता और प्रभावशीलता को बढ़ाने पर केंद्रित थी, जिससे कम समय और प्रयास में अधिक परिणाम प्राप्त किए जा सके। संगोष्ठी के आरम्भ में अभियांत्रिकी संकाय के डीन, प्रो. एके सिंह ने मुख्य अतिथि अमिताबा चक्रवर्ती का पुष्पगुच्छ एवं प्रतीक चिह्न देकर स्वागत किया। मुख्य वक्ता के रूप में अमिताबा चक्रवर्ती, जो एचडीएफसी बैंक की स्थापना में अहम भूमिका निभा चुके हैं और केन्या के इंपीरियल बैंक में कार्यकारी निदेशक रह चुके हैं, उन्होंने अपनी गहन व्यावसायिक अनुभवों को साझा किया। उन्होंने रणनीतिक सोच, समय प्रबंधन और नवीनता के महत्त्व पर जोर दिया, जिससे विद्यार्थी अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में बेहतरीन प्रदर्शन कर सकें। श्री चक्रवर्ती ने यह भी बताया कि कैसे करियर में अपने पैशन को सही दिशा में आगे बढ़ाया जा सकता है और सेल्फ डाउट को कैसे कम किया जा सकता है। उन्होंने स्टार्टअप में कैसे सफलता प्राप्त की जाए, इस पर भी गहराई से बात की। उन्होंने एचडीएफसी बैंक की स्थापना की कहानी साझा की, जिससे छात्रों ने समझा कि रियल टाइम में स्टार्टअप कैसे विकसित किया जाता है और उसे सफल बनाया जा सके। अंत में, एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों के सवालों का अमिताबा चक्रवर्ती ने विस्तारपूर्वक उत्तर दिया, जिससे छात्रों को स्मार्ट वर्क की गहराई से समझ प्राप्त हुई।

AMRIT VICHAR PAGE 5

कहानी- पाठ प्रतियोगिता में 25 छात्रों ने किया प्रतिभाग

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में कहानी- पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 25 छात्रों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संयोजन प्रोफेसर रीता चौधरी, प्रोफेसर हेमांशु सेन और डॉक्टर सुधा की ओर से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर रश्मि कुमार ने किया।

भू-वैज्ञानिक प्रदर्शनी प्रतियोगिता का आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ: भूगर्भशास्त्र विभाग की ओर से पूर्व दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में व्याख्यान और भूवैज्ञानिक प्रदर्शनी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रति-कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, भूगर्भशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. ध्रुव सेन सिंह और मुख्य वक्ता बीरबल साहनी पुराप्राणिविज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. महेश ठक्कर उपस्थिति रहे। मंच संचालन डॉ. रामानंद यादव ने किया।

आर्ट ऑफ स्मार्ट वर्क पर मिली रोचक जानकारी

अमृत विचार, लखनऊ: ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल, अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के तत्वाधान में पूर्व दीक्षांत समारोह कार्यक्रम के अंतर्गत आर्ट ऑफ स्मार्ट वर्क विषय पर संगोष्ठी में छात्रों को रोचक जानकारी मिली। संगोष्ठी स्मार्ट वर्क, दक्षता और प्रभावशीलता को बढ़ाने पर केंद्रित थी, जिससे कम समय और प्रयास में अधिक परिणाम प्राप्त किए जा सके।

योग नृत्य प्रस्तुत कर छात्राओं ने मोहा मन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

नृत्य की प्रस्तुति देतीं छात्राएं।

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के तत्वाधान में दीक्षांत सप्ताह के अंतर्गत योग सभागार में योग तरंग नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

फैकल्टी के कोआर्डिनेटर डॉ अमरजीत यादव ने बताया कि आयोजन के पहले दिन शिव स्तुति के साथ फैकल्टी की छात्राएं सपना कुशवाहा एवं व्याख्या सिंह के योग नृत्य ने सबका मन मोह लिया। अधिष्ठाता प्रोफेसर अशोक कुमार सोनकर ने कहा कि आज की भाग दौड़ की जिंदगी में संगीत के साथ योग भी आवश्यक है। फैकल्टी के शिक्षक डॉ. रामनरेश ने योग की विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास कराया। इस अवसर पर फैकल्टी के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं तथा जन सामान्य उपस्थित थे।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

लविवि यूट्यूब पर प्रसारण होगा दीक्षांत, दिनभर चली प्रतियोगिताएं

लखनऊ (एसएनबी)। 16 सितंबर को लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले 67वें दीक्षांत समारोह को घर बैठे भी देखा जा सकेगा। कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग विश्वविद्यालय के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर की जाएगी। यह व्यवस्था बीते कई वर्षों से की जा रही है। इससे संबद्ध कॉलेजों के शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं समेत अभिभावक दीक्षांत समारोह को देख सकेंगे। इसके अलावा दीक्षांत सप्ताह के तीसरे दिन अलग-अलग विभागों में कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं हुईं। रसायन विज्ञान विभाग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: वर्तमान रुझान और भविष्य की दिशाएं पर एक भाषण कार्यक्रम हुआ। विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा ने बताया कि कुल 18 छात्रों ने प्रतिभाग किया। लोक प्रशासन विभाग की ओर से तीन दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम उद्गम का शुभारंभ हुआ। पहले दिन भाषण और एकल व समूह गीत प्रतियोगिताएं हुईं।। गीत प्रतियोगिता का समन्वयन कौशांबी और यशस्वी ने किया। भाषण प्रतियोगिता का समन्वयन ऋषभ और शेखर ने किया। संचालन विभाग की छात्रा स्वर्णिमा और शताक्षी ने किया। गीत और भाषण प्रतियोगिताओं में कार्तिकेय, भव्या, कविता, आरुषि, उत्कर्ष समेत 50 से अधिक छात्रों ने अपने प्रदर्शन से श्रोताओं का ध्यान आकर्षित किया। डॉ. वैशाली सक्सेना, डॉ. श्रद्धा, डॉ. सुशील चौहान और डॉ. उत्कर्ष उपस्थित रहे।

HT PAGE 5

Convocation week celebrations continue at LU

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

LUCKNOW: Several events were organised as part of the convocation week of Lucknow University. An elocution event was held in the chemistry department on 'Artificial Intelligence in Chemistry: Current Trends and Future Directions'.

The Institute of Management Sciences (IMS) arranged a table tennis, debate and rangoli-making competition, while 'Yog Tarang' was organised by the faculty of yoga and alternative medicine.

A speech competition on the topic - 'Role of Technology in Modern Law Enforcement' was organised by The Pro Bono Club of the Faculty of Law. Several students took part in a story-telling competition coordinated by the department of Hindi and modern Indian languages.

A symposium on 'Art of Smart Work' was conducted by the training and placement cell of the faculty of engineering and technology. A cultural fest 'Udhgam' was organised by the public administration department. A debate competition on 'Ancient and Modern Education system' was arranged by the department of ancient Indian history and archaeology.

An interactive session 'Youth ki Awaaz: Smashing Gender Barriers and Amplifying their voices' was put together by the Gender Sensitization (GenSen) Cell. Musical chairs, ludo and 100-meter race were organised by the department of commerce. A lecture 'Changing Dimensions of Indian Foreign Policy' was held at the department of political science.

New names on medals list

LUCKNOW: The Silver Jubilee Gold Medal will be awarded to Ginni Bari while Ruchi Ram Sahni Research Prize in Botany will be conferred to Shailja Tripathi.

Besides, a chancellor's bronze medal given to best student of five-year LLB course, which as per the tentative medals' list was to be awarded to Aarushi Shukla, will now be given to Pratibha Khatri.

The vice chancellor's gold medal in Urdu will be conferred to Zainab Khan in place of Saba Khan. The Rai Sahab MP Srivastava Gold Medal will be awarded to Deepak Gupta instead of Shikha Mann Kotia and Kamayani Memorial Gold Medal will be given to Khushnuma Naaz instead of Shashank Shekhar Pandey.

The Kajal Mukherjee Memorial Gold Medal, Sharda Prasad Banerjee Memorial Gold Medal and Maheshwari Devi Kali Krishna Chatterjee Gold Medals will be awarded to Shruti Gupta instead of Shreya Singh.

Cultural events continued in the Malviya Hall which was managed by Sanskritiki – the cultural unit of the university and a quiz competition and lecture was held at the Department of Sanskrit and Prakrit language.

'भूकंप सिर्फ विनाश नहीं, भू आकृतियों के निर्माण में भी सहायक'

लखनऊ विश्वविद्यालय में भूगर्भशास्त्र व्याख्यान में प्रतिकुलपति प्रो. मनुका खन्ना, बीरबल साहनी पुराप्राणिविज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. महेश ठक्कर, प्रो. ध्रुवसेन सिंह • जागरण

जासं • लखनऊ: भूकंप सिर्फ विनाश के कारक ही नहीं बनते हैं, यह भू आकृतियों के निर्माण में भी सहायक होते हैं। लवि के भूगर्भशास्त्र विभाग की ओर से दीक्षा सप्ताह के अंतर्गत भूकंप और भूगर्भीय संरचनाओं पर आधारित व्याख्यान और प्रदर्शनी में बीरबल साहनी पुरा प्राणि विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. महेश ठक्कर ने यह बात कही।

उन्होंने भूकंप के सृजनात्मक पक्ष पर चर्चा करते हुए वर्ष 1819 के कच्छ भूकंप का उदाहरण देते हुए बताया कि किस प्रकार इस भूकंप से अल्लाह बंध नामक एक प्राकृतिक डैम का निर्माण हुआ। इसने कच्छ के रण क्षेत्र की भूगर्भीय संरचना को पूरी तरह बदल दिया। बताया कि भूकंप से ही हिमालय और चीन की दांशिया भू-आकृतियां जैसी प्रमुख स्थल कृतियां बनी। भूगर्भशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. ध्रुव सेन सिंह ने प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करने में भूविज्ञान की भूमिका पर चर्चा करते हुए कहा कि हम भूकंप को रोक नहीं सकते, परंतु इसके प्रभावों को कम कर सकते हैं। प्रतिकुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने भी विभाग के योगदान की चर्चा की। अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी में 14 छात्रों ने अपने भूगर्भीय माडल प्रस्तुत किए, जिनमें मैग्मा का जन्म व बोरहोल की आंतरिक संरचना प्रमुख थे। डा. विनीत कुमार ने धन्यवाद दिया।

TOI PAGE 2

'Fgn policy crucial for India's eco growth'

Anjanaya Singh | TNN

Lucknow: The foreign policy of any country is crucial as it is widely used as an effective tool for economic growth.

The perspective was shared by foreign policy expert, Mahesh Kumar Singh, during a special lecture organised as part of the convocation week celebration of Lucknow University on Thursday.

"Policymakers increasingly use foreign policy as a tool to accelerate economic growth, leverage strong workforce, military capabilities, and nuclear power status. The policy is built on principles like Vasudhaiva Kutumbakam and the notion of global unity but remains firmly rooted in advancing India's national interests," said Singh. "One of the notable shifts in Indian foreign policy has been its proactive engagement on the global stage. Indian policymakers no longer rely on passive diplomacy but actively engage in regional and global platforms to further the nation's interests. This shift is visible in India's 'Neighbourhood First policy', which emphasises regional cooperation over purely bilateral dialogues, fostering stronger ties with neighbouring countries while involving Western nations," Singh added.

Singh emphasised, "The decline of China's global reputation, particularly after the COVID-19 pandemic and due to its aggressive policies, has also provided India with an opportunity to play a more prominent role in the international arena. India's economic pragmatism is evident in its pursuit of free trade agreements with nations such as the United Kingdom, Australia, and the United States, marking a significant shift from traditional diplomacy. The focus on economic growth has allowed India to leverage its position as one of the world's largest and fastest-growing markets."

'Earthquakes also act like architects'

Times News Network

Lucknow: Earthquakes have a positive side too; they act like architects, said the director of Birbal Sahni Institute of Palaeosciences (BSIP), Mahesh G. Thakkar, while delivering a special lecture on "Earthquakes: The Architects of Our Planet" organised by LU geology department as part of the convocation week celebrations, on Thursday.

Thakkar described how earthquakes are integral to the ongoing formation of the earth's surface. He discussed the Allah Bund ridge, a natural dam formed as a result of the 1819 Rann of Kutch earthquake, highlighting it as an example of how powerful seismic events reshape landscapes.

He said architectural practices of the Harappan people, particularly in the Bhuj area, included understanding the seismic risks in the region. They constructed their houses with rounded features to minimise destruction during earthquakes, showcasing their advanced knowledge of geology and structural engineering. He discussed the widespread devastation caused by the 1819 earthquake in towns like Lakhpat, Mandvi and Tera and elaborated on the science behind these events, explaining how energy from the Earth's core travels through the mantle and reaches the surface, triggering earthquakes. He also spoke on how seismic activity has contributed to the formation of major landforms such as the Himalayas, Lion Head Mountain in South Africa and the Danxia landforms in China.

Prof. Dhruv Sen Singh of LU's geology department acknowledged the unstoppable forces of nature and the role of geology in understanding them. "We cannot prevent earthquakes, but we can minimise their effects," he said.

प्रो बोनो क्लब ने छात्रों के व्यक्तित्व के विकास पर दिया जोर

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। एलयू के विधि संकाय के प्रो.बोनो क्लब ने दीक्षांत सप्ताह में डॉ.आलोक कुमार यादव के मार्गदर्शन में एक भव्य भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस महत्वपूर्ण आयोजन में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक और छात्र शामिल हुए। उद्घाटन समारोह में विधि संकाय के प्रमुख एवं डीन, प्रो. बीडी सिंह और एलयू न्यू कैंपस के निदेशक, प्रो.आर.के.सिंह ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को विशेष बना दिया। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा, इस तरह की प्रतियोगिताएं उनके व्यक्तित्व विकास, सार्वजनिक बोलने की कला, और कानूनी ज्ञान के प्रसार में सहायक होती हैं। भाषण प्रतियोगिता में विभिन्न विषयों पर प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। सूदीप गुप्ता ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। आर्ची कटियार को उपविजेता घोषित किया गया, जबकि तृतीय स्थान पर सेशाद्री रहे। सभी प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों से सभी को प्रभावित किया और दर्शकों ने भी उनकी सराहना की। समापन समारोह में आईएमएस की ओएसडी, प्रो.विनीता काचर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने छात्रों के प्रदर्शन की सराहना की और कहा, इस प्रकार के आयोजन न केवल कानूनी शिक्षा को बढ़ावा देते हैं, बल्कि छात्रों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और संचार कौशल को भी विकसित करते हैं।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

छात्रों को बताए स्मार्ट वर्क के तौर-तरीके

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल, अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के तत्वावधान में पूर्व दीक्षांत समारोह कार्यक्रम के तहत आर्ट ऑफ़ स्मार्ट वर्क विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी स्मार्ट वर्क, दक्षता और प्रभावशीलता को बढ़ाने पर केंद्रित थी,जिससे कम समय और प्रयास में अधिक परिणाम प्राप्त किए जा सके। संगोष्ठी के आरम्भ में अभियांत्रिकी संकाय के डीन, प्रो.एके सिंह ने मुख्य अतिथि अमिताबा चक्रवर्ती का पुष्पगुच्छ एवं प्रतीक चिह्न देकर स्वागत किया। मुख्य वक्ता के रूप में अमिताबा चक्रवर्ती, जो एचडीएफसी बैंक की स्थापना में अहम भूमिका निभा चुके हैं और केन्या के इंपीरियल बैंक में कार्यकारी निदेशक रह चुके हैं, उन्होंने अपनी गहन व्यावसायिक अनुभवों को साझा किया। उन्होंने रणनीतिक सोच, समय प्रबंधन और नवीनता के महत्त्व पर जोर दिया, जिससे विद्यार्थी अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में बेहतरीन प्रदर्शन कर सकें। श्री चक्रवर्ती ने यह भी बताया कि कैसे करियर में अपने पैशन को सही दिशा में आगे बढ़ाया जा सकता है और सेल्फ डाउट को कैसे कम किया जा सकता है। उन्होंने स्टार्टअप में कैसे सफलता प्राप्त की जाए, इस पर भी गहराई से बात की। उन्होंने एचडीएफसी बैंक की स्थापना की कहानी साझा की, जिससे छात्रों ने समझा कि रियल टाइम में स्टार्टअप कैसे विकसित किया जाता है और उसे सफल बनाया जा सके। अंत में, एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया,जिसमें छात्रों के सवालों का अमिताबा चक्रवर्ती ने विस्तारपूर्वक उत्तर दिया, जिससे छात्रों को स्मार्ट वर्क की गहराई से समझ प्राप्त हुई।